



नरेंद्र मोदी # राजनाथ सिंह # योगी आदित्यनाथ # नकसली हमला # MCD चुनाव # महबूबा मुफ्ती

उत्तर प्रदेश ► कानपुर • लखनऊ • मेरठ • आगरा • इलाहाबाद

T-20 लीग 2017

पाइए फटाफट क्रिकेट के रोमांच का विस्तृत कवरेज

देखिए T-20 लीग स्पेशल

राजकीय पुस्तकालय अब ई-ग्रंथालय में तब्दील

By Publish Date:Mon, 30 Jan 2017 11:47 PM (IST) | Updated Date:Mon, 30 Jan 2017 11:47 PM (IST)

Share Like 0 G+ 0



राजन शुक्ला, प्रतापगढ़ : कागजों से निकल कर किताबें अब स्क्रीन में समाहित हो गई हैं। हालात यह है कि अब तो पुस्तकालय में भी साहित्य स्क्रीन पर अंगुली रखते ही सामने नजर आने जा रहा है। **राजकीय जिला पुस्तकालय में ई-ग्रंथालय की स्थापना की गई है।** ज्ञान की यह गंगा इसी ई-ग्रंथालय के जरिए बहाई जाएगी।

करीब दो दशक पहले शहर के कचहरी रोड पर अस्तित्व में आए राजकीय जिला पुस्तकालय अब डिजिटल लाइब्रेरी में तब्दील हो गया है। इसका कलेवर बदल चुका है। तेवर भी नया है। पांडुलिपि युग से निकलकर यह पुस्तकालय इंटरनेट के आकाश में उड़ान भर रहा है। यहां पर लगी क्योस्टा स्क्रीन टच मशीन पर ई-ग्रंथालय सुविधा शुरू हो गई है। इसके जरिए सूरदास के भजन से लेकर अंतरिक्ष में लगी देश की छलांग तक देखी, पढ़ी व समझी जा सकेगी। नौकरियों की रिक्तता का हाल जाना सकेगा। यानी ज्ञान-विज्ञान सबकुछ ऑनलाइन।

एटीए मशीन की तरह दिखने वाले इस सिस्टम पर अंगुली धूमाते ही ज्ञान की बायार बह चलेगी। पुस्तकालयाध्यक्ष

राजन शुक्ला, प्रतापगढ़ : कागजों से निकल कर किताबें अब स्क्रीन में समाहित हो गई हैं। हालात यह है कि

श्याम मूर्ति शुक्ल बताते हैं कि यह सुविधा पुस्तकालय के सदस्य के साथ ही जनसामान्य को भी मिलेगी, वह भी निश्चल्क। केवल किताबें ही नहीं विविध भाषा के अखबारों को भी यहां आसानी से स्क्रीन पर खोलकर पढ़ा जा सकता है। गूगल पर जरूरी जानकारी की जा सकती है। यहीं नहीं आने वाले दिनों में युवाओं को नौकरियों के आनलाइन आवेदन भेजने की भी सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा मतदाता सूची, वोटर पर्चा सेवा भी उपलब्ध होगी। कोआर्डिनेटर अशोक यादव का कहना है कि यहां का सर्वर एनआइसी से जुड़ा है। मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी मिशन है।

चहक उठेंगे बच्चे भी

प्रतापगढ़ : पुस्तकालय में छोटे-छोटे बच्चों को भी ज्ञान की मीठी धूंट पिलाने का इंतजाम है। यहां हाल के आधे हिस्से को बाल कक्ष का स्वरूप देकर उसे सजाया गया है। उसमें बच्चों को लुभाने वाले खिलौने, कामिक्स, रंग बिरंगे, फर्नीचर, भालू, बंदर गुड़ के टेडीबियर आदि रखे गए हैं। मकसद यह है कि बच्चे खेलते हुए पढ़ने में रुचि लें। साथ में उनके अभिभावक भी ज्ञान संसार में शामिल हों। मां चूल्हे चैके के अलावा भी कुछ देखें।

विवाह प्रस्ताव की तलाश कर रहे हैं? भारत मैट्रिमोनी में निश्चल्क रजिस्टर करें!

Sponsored

मोबाइल पर भी अपनी पसंदीदा खबरें और मैच के Live स्कोर पाने के लिए जाएं m.jagran.com पर

Web Title:

(Hindi news from Dainik Jagran, newsnational Desk)

कमेंट करें

कलेक्टर में प्रवेश रोकने पर भड़के वकील

शहीद का पार्थिव शरीर आज आने की उम्मीद

यह भी देखें

5 साल में कितना बदल गया IAS एग्जाम, जानिये...

Aaj Tak